

रुद्रवदन पुं. (तत्.) 1. रुद्र/शिव का मुख, शिव के पाँच मुख 2. काव्य में पाँच की संख्या।

रुद्रविशति स्त्री. (तत्.) दे. रुद्रबीसी।

रुद्रवीणा स्त्री. (तत्.) वीणा का एक प्राचीन रूप, इसमें सात तार और बाईस पर्दे होते हैं।

रुद्राक्ष पुं. (तत्.) एक बड़ा और प्रसिद्ध पेड़ जिसके फल के बीजों से रुद्राक्ष की माला बनाते हैं।

रुद्राग्रणी वि. (तत्.) 'रुद्रों' में श्रेष्ठ पुं. हनुमान।

रुद्राणी स्त्री. (तत्.) रुद्र या शिव की पत्नी, पार्वती।

रुद्रारि पुं. (तत्.) 1. शिव का शत्रु 2. कामदेव।

रुद्रावास पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव का निवास-स्थान 2. काशी 3. कैलाश पर्वत 4. श्मशान, शिव के रहने की जगह, (शिव के रहने की जगह कैलाश पर्वत माना गया है), किंतु शिव का निवास श्मशान में भी होता है तथा काशी एवं केदार को भी शिव का निवास स्थान माना गया है।

रुद्राष्टक पुं. (तत्.) शिव की स्तुति के आठ श्लोकों का एक अष्टक (महाकवि तुलसीदास द्वारा रचित 'नमामीशमीशानं....' इत्यादि पद्यात्मक स्तुति रुद्राष्टक' के नाम से प्रसिद्ध है)।

रुद्री वि. (तत्.) 1. रुद्र से संबंधित (स्तुति आदि) 2. रुद्र से उत्पन्न 3. भयंकर रूप वाला 4. शिव की स्तुति में वैदिक ग्रंथ रुद्राष्टाध्यायी का संक्षिप्त नाम (रुद्री)।

रुधिर पुं. (तत्.) 1. शरीर की नाड़ियों/धमनियों में बहने वाला खून 2. लाल रंग 3. एक रत्न, केसर, कुंकुम 4. मंगल ग्रह, जिसका लाल वर्ण है वि. लाल रंग वाला।

रुधिरपायी वि. (तत्.) 1. खून पीने वाला (जीव) जिसे जोंक कहते हैं 2. राक्षस भी रुधिरपायी होते हैं।

रुधिरभीति पुं. (तत्.) रुधिर (खून) मात्र देखकर मन में उत्पन्न होने वाला भय।

रुधिरवर्ग पुं. (तत्.) मानव-शरीर में प्रवाहित रक्त के 'ए' 'बी' 'ए बी' और 'ओ' इन प्रकारों का वर्ग (रक्त के इन चार वर्गों का निर्धारण लाल कणिकाओं और प्लाज्मा में क्रमशः एग्लुटिनोजेन और एग्लुटिनिन के होने या न होने के आधार पर किया जाता है)।

रुधिर-विज्ञान पुं. (तत्.) 1. रक्त के प्रकार, कार्य और उससे संबंधित विज्ञान 2. प्राणिविज्ञान की एक शाखा।

रुधिराक्त वि. (तत्.) 1. रक्त से भरा (लाल) 2. खून जैसा लाल।

रुधिराशन वि. (तत्.) रक्त का भोजन करने वाला या खून पीने वाला पुं. 1. राक्षस 2. जोंक।

रुधिराशी वि. (तत्.) दे. रुधिराशन।

रुधिरोपल पुं. (तत्.) रुधिर और पत्थर।

रुनक झुनक स्त्री. (अनु.) नूपुर की रुनक झुनक की ध्वनि, झंकार।

रुनझुन स्त्री. (अनु.) पैर के आभूषण नूपुर की ध्वनि (रुनझुन) मधुर झंकृति शब्द।

रुपमनी स्त्री. (तद्.) रुपवती, सुंदरी।

रुपया पुं. (तत्.) भारतवर्ष की मुद्रा का नाम, (भारत में एक रुपए का सिक्का पहले चाँदी से बनता था और अब वर्तमान में लोहा, गिल्ट आदि से सभी सिक्के बनते हैं, आजकल ये सिक्के एक रुपया से एक सौ रुपये तक मुख्य-मुख्य राशियों के बनने लगे हैं, किंतु अधिकांश कागज के नोटों की मुद्रा बनती हैं **मुहा.** रुपया चटाना- रिश्वत देना; रुपया डूबना- दिया धन वापस न मिलना; रुपया पानी की तरह बहाना- व्यर्थ व्यय करना; रुपया मार लेना- उधार लिया धन वापस न करना; रुपये की गर्मी होना- धन का घमंड होना; रुपया पानी में फेंकना- अनावश्यक व्यय करना।

रुपल्ली स्त्री. (तद्.) उपेक्षित भाव से रुपए को समझना, कम मूल्य का रुपया।